मेट्रीमोनियल साईट/फेसबुक जैसे सोशल मीडिया साइटों पर दोस्ती कर करोड़ो की ठगी करने वाले अंतर्राष्ट्रीय गिरोह (नाइजीरियन गैंग) के मास्टरमाइंड को परिक्षेत्रीय साइबर थाना द्वारा गिरफ्तार किया गया | दिनांक – 22.07.2022

ठगी में नाइजीरियाई नागरिक बंदी

प्रयागराज, वरिष्ठ संवाददाता। मैट्रीमोनियल साइट, फेसबुक, मैसेंजर आदि प्लेटफार्म से ऑनलाइन ठगी करने वाले नाइजीरियाई नागरिक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अपने विदेशी साथियों की मदद से वह हाईप्रोफाइल परिवार खासकर बुजुर्गों से ठगी कर रहा था। साइबर क्राइम के कई मामले दर्ज होने पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। सबसे अहम तो यह कि नाइजीरियाई नागरिक का वीजा पांच जनवरी 2022 को खत्म हो गया था। इसके बावजूद वह अवैध रूप से भारत में रह रहा था। पुलिस का दावा है कि इसके कई करोड़ की ठगी की है।

गुरुवार को आईजी राकेश सिंह ने

पकड़े गए नाइजीरियन को मीडिया के सामने पेश करते आईजी।

उन्हें जाल में फंसा लेता था। औंगस ऐसे लोगों की प्रोफाइल आईडी पर विदेशी लड़कियों की फेक आईडी से आकर्षक प्रोफाइल बनाकर फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजता था। रिक्वेस्ट एक्सेप्ट

जांच से खुलेगी राज

पकड़े गए औंगस स्टेनली के पास से मतीन मोबाइल, एक टैबलेट, कई सिम कार्ड, इसमें चार सिम विदेशी और चार इंडिया के। पासपोर्ट, वीजा, डायरी आदि बरामद हुई है। साइबर क्राइम की टीम का कहना है कि मोबाइल और टैब में ठगी का शिकार हुए लोगों की जानकारी है। उससे कई मामले खुलेंगे और इसके साथी पकड़ में आएंगे।

लिए विदेश से तोहफा आया है। इसको महंगा बताकर कस्टम शुल्क जमा करने की बात कही जाती थी। कई लोगों से वीजा मंगवाने के नाम पर ठगी की गई। कई को ब्लैकमेल भी किया गया।

सोशल मीडिया पर दोस्ती, महिला बनकर पुरुष ने दिया शादी का प्रस्ताव, खाली कर दिया खाता

हे भगवान! अब ऐसे भी होने लगा फ्राड

i UPDATE

साइबर थाने की पुलिस ने दिल्ली से नाइजीनियन युवक औंगस स्टेनली को दबोचा

चार भारतीय और चार विदेशी सिम, एक पासपोर्ट व वीजा बरामद

prayagraj@inext.co.in

PRAYAGRAJ (21 July): झांसा देकर खाता खाली कर देने के तमाम उदाहरण आपने पहले भी सुने होंगे. लेकिन, गुरुवार को फ्रॉड का जो तरीका प्रयागराज में सामने आया वह मार्केट में बिल्कुल नया है. साइबर थाने की पुलिस ने ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया है, जो मैट्रिमोनियल साइट और सोशल मीडिया के माध्यम से विदेशी महिलाओं से शादी कराने का झांसा देकर उनके ठगी करता था. इसका मास्टर माइंड नाइजीरियन युवक है जो दिल्ली में बैठकर पूरा खेल आपरेट करता था. उसे पुलिस दिल्ली से गिरफ्तार करके ले आयी और मीडिया के सामने पेश किया. उसके कब्जे से तीन मोबाइल, एक टैबलेट, चार विदेशी और चार भारतीय मोबाइल सिम, पासपोर्ट, वीजा और डायरी बरामद होने का दावा किया गया है. पकड़े गए नाइजीरियन ने म्योर रोड निवासी सेवानिवृत्त कर्मचारी से 20 लाख रुपये ठगे थे.

PIC: DAINIK JAGRAN-I NEXT

आरोपित को मीडिया के सामने किया गया पेश.

करोड़ों पाने का झांसा

जेड वार्नर नामक महिला की फेसबुक प्रोफाइल से म्योर रोड निवासी सेवानिवृत्त कर्मचारी के पास फ्रेंड रिक्वेस्ट आया था. यह फ्रेंड रिक्वेस्ट जनवरी माह में आया था. दोनों के बीच मैसेंजर से काफी बातचीत हुई. महिला ने उसको अपने भरोसे व विश्वास में ले लिया. जो भी बातचीत करती वह सेवानिवृत कर्मचारी को सही लगता था. एक दिन महिला ने उससे दस हजार रुपये एक दिल्ली में रहने वाले दिनेश के एकाउंट में डालने को कहा. उसने कहा दिनेश काफी परेशान है. महिला के विश्वास में किस कदर आ चुका था कि वह बिना सोचे फौरन ट्रांसफर कर दिया. इसके बाद महिला ने चैट पर बताया कि उसके माता-पिता नहीं हैं. करोड़ों रुपये की प्रापर्टी उसे दान में देना चाहती है, लेकिन इसके लिए पति बनना पड़ेगा और युनाइटेड किंगडम आना पड़ेगा. सेवानिवृत कर्मचारी ने उसकी बात मान ली और पासपोर्ट, वीजा बनवाने के लिए करीब छह लाख और एकोमोडेशन की खातिर छह लाख रुपये दिए.

दिल्ली से चलाता था नेटवर्क

साइबर थाने की पुलिस ने अभियुक्त औंगस स्टेनली को नई दिल्ली के नेब सराय थाना क्षेत्र स्थित जवाहर पार्क स्थित फ्लैट से पकड़ा है. औंगस वहां करीब दो साल से किराए पर रह रहा था. गुरुवार शाम रेंज कार्यालय में आईजी डा. राकेश कुमार सिंह ने अभियुक्त को मीडिया के सामने पेश किया. पुलिस के मुताबिक औंगस नाइजीरियन गैंग का मास्टरमाइंड है. वह और उसके साथी इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर तलाकशुदा, बुजुर्ग और हाईप्रोफाइल लोगों की आइडी सर्च करते थे. विदेशी महिला से शादी करने में रुचि रखने वालों को वरीयता देते थे. ऐसे लोगों के लिए फेसबुक पर विदेशी महिला का फर्जी एकाउंट बनाकर आकर्षक तस्वीर लगाते थे. इसके बाद फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजते थे. दोस्ती होने के बाद मैसेंजर पर प्यार भरी बात व अश्लील चैटिंग शुरू कर देते थे. धीरे-धीरे गिफ्ट भेजने, कस्टम शुल्क जमा करने और वीजा, पासपोर्ट बनवाने के नाम ठगी करते थे. ऐसा ही कुछ सेवानिवृत्त कर्मचारी के साथ किया गया था.

नेकेड फोटो से ब्लैकमेल

इसी बीच जेड वार्नर ने पति बनाने से पहले सेवानिवृत्त कर्मचारी का नग्न फोटो मांगी, जिसे उसने भेज दिया. अगले ही दिन नग्न फोटो वायरल करने की धमकी देते हुए 30 लाख रुपये की मांग शुरू कर दी, तब जाकर ठगी का पता चला. तब तक बहुत देर हो चुकी थी. वह बीस लाख रुपये खर्च कर चुका था. जिसमें महंगे गिफ्ट से लेकर कई बार एकाउंट में पैसा ट्रांसफर कर चुका था. ब्लैकमेलिंग से तंग आकर साइबर थाने में कुछ पहले शिकायत की थी. इसके बाद साइबर थाने की पुलिस एक्टिव हो गयी और उसने इसका पर्दाफाश करने के लिए जाल फैलाना शुरू कर दिया. इसके बाद दिल्ली से औंगस पुलिस के गिरफ्त में आया. वह महिला बनकर उसके साथ ठगी कर रहा था. अब पुलिस उनकी तलाश कर रही है, जो देश में रहकर औंगस जैसे लोगों की मदद कर रहे थे. इसके साथ औंगस के घर पर भी पुलिस ने वीडियो कॉल के जरिए औंगस से बात करा सूचित कर दिया है.

टीम को इनाम देने की घोषणा

इंस्पेक्टर राजीव तिवारी बताते हैं कि दिनेश कुमार, अभिजीत राय, प्रकाश देववर्मा सहित कई भारतीय मददगार हैं, जिनके खाते में अभियुक्त पैसा मंगवाता था. इसके अलावा लियेनी बाइका व कई युवक, युवतियों का गैंग है, जो लोगों को इंटरनेट मीडिया पर जाल में फंसाकर ठगी करते हैं. साइबर थाने की पुलिस अब इनके बारे में भी पता लगा रही है. इस गैंग के मास्टरमाइंट के पकड़े जाने के बाद आईजी डा. राकेश सिंह ने साइबर थाना प्रभारी राजीव तिवारी, दारोगा राघवेंद्र पांडेय व अनुराग यादव, जय प्रकाश, सत्येश राय, अतुल, रणवीर, महेंद्र की टीम को इनाम देने की घोषणा की है.

"इस तरह का फ्रॉड केस प्रयागराज में पहली बार सामने आया है. साइबर की टीम ने इसका पर्दाफाश कर दिया है. पकड़े गये युवक का वीजा एक्सपायर हो चुका है, इसके बाद भी वह इंडिया में रह रहा था.

डॉ राकेश कुमार सिंह
आईजी रेंज, प्रयागराज